www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

1936 सत्य • सार्थक • सदैव

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शनिवार
15 नवंबर 2025, नई दिल्ली*गाजियाबाद

● पांच प्रदेश ● 23 संस्करण

सहकारी बैंकों की सफलता के लिए अच्छा नेतृत्व जरूरी : गडकरी

तैयारी | यात्री सुरक्षा को लेकर बैगेज सिस्टम, सिक्योरिटी मशीनें, चेक इन और बोर्डिंग गेट की जांच चल रही

एयरपोर्ट का निर्माण पूरा, उड़ानों के लिए परीक्षण जारी

प्रोजेक्ट अपडेट

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में प्रथम चरण के तहत 1334 हेक्टेयर जमीन में निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। यहां अब यात्री सुरक्षा को लेकर बैगेज सिस्टम, सिक्योरिटी मशीनें, चेक इन और आउट काउंटर और बोर्डिंग गेट की जांच चल रही है। उड़ान शुरू करने के लिए एयरोड्रम लाइसेंस का इंतजार हो रहा है।

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यीडा) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि नोएडा एयरपोर्ट धीरे-धीरे व्यावसायिक उड़ानें शुरू करने के लिए आगे बढ़ रहा है। फिलहाल सुरक्षा एवं उड़ान के लिए जरूरी अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) की जरूरत है, जिसके लिए टेस्टिंग जारी है। ट्रायल के जरिए रनवे और टर्मिनल के कई सुरक्षा उपकरणों को परखा जा चुका है, लेकिन अब तक इसके लिए नागरिक उड्डयन महा निदेशालय (डीजीसीए) और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बकास) की मंजूरी नहीं मिल पाई है। एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर बकास से अभी एक अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है, जबकि कार्गो टर्मिनल को लेकर सितंबर में सुरक्षा की एनओसी प्राप्त हो चुकी है। हाल ही में नवे पर लगे उपकरण का परीक्षण पूरा हुआ, जिसका अध्ययन करने के लिए डीजीसीए को डाटा भेजा गया है। इसी डाटा के आधार पर व्यावसायिक उड़ान शुरू करने के लिए जरूरी एयरोड्रम लाइसेंस प्राप्त होगा। लाइसेंस मिलने के बाद ही एयरपोर्ट पर उड़ान का रास्ता साफ हो सकेगा।

उपकरण सही काम करते मिले

यापल ने बताया कि दिसंबर 2024 और नवंबर 2025 में विमान उतारकर हुए परीक्षण में रनवे पर लगे उपकरण सही प्रकार से काम करते मिले। दिसंबर 2024 में इंडिगो एयरलाइंस का बड़ा यात्री विमान रनवे पर उतरा गया था। इस फ्लाइट ने यह साबित किया कि एयरपोर्ट के तय हवाई रूट, नेविगेशन सिस्टम और एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम सही तरीके से काम कर रहे हैं।

सवा करोड़ यात्री उड़ान भर सकेंगे

एयरपोर्ट के प्रथम चरण की क्षमता 12 मिलियन यानी 1.2 करोड़ यात्री प्रति वर्ष है। प्रथम चरण के 1334 हेक्टेयर में 3900 मीटर लंबा रनवे और एक लाख वर्गमीटर में टर्मिनल बिल्डिंग को तैयार किया गया है। इसके अलावा यहां एटीसी टावर, टैक्सी-वे, विमानों को खड़ा करने के लिए 28 हैंगर और संपर्क मार्ग आदि बने हैं। एयरपोर्ट कुल चार चरणों में पूरा होगा। फेज-2 और तीन में क्षमता बढ़कर तीन से पांच करोड़ यात्री प्रति वर्ष हो जाएगी। फिलहाल पहले चरण का काम पूरा हुआ है।